ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 10

# समकालीन भारत - 2

अध्याय - 1

## संसाधन एवं विकास

भाग - 4

पंकज वैष्णव

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

# संसाधन एवं विकास

Q. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और विकास सम्मेलन (1992) का अन्य नाम है:-

(a) सूर्य सम्मलेन
(b) प्लूटो सम्मलेन
(c) चन्द्रमा सम्मलेन
(d) पृथ्वी सम्मलेन

# संसाधन एवं विकास

Q. पृथ्वी सम्मलेन-1992 कहाँ आयोजित हुआ था ?

(a) चीन
(b) ऑस्ट्रेलिया
(c) ब्राज़ील
(d) रूस

1992 P S
↳ Brazil
(रियो डीजेनेरो)

# संसाधन एवं विकास

Q. निम्न में से पृथ्वी सम्मलेन से जुड़ी अवधारणाए है:-

2000-2100

(a) एजेंडा-21
(b) वन सिद्धांत
(c) a तथा b दोनों
(d) न तो a और न ही b

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# सतत पोषणीय विकास

→ 1992 → पृथ्वी (संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण - विकास)

→ ब्राजील (रियो डी जेनेरियो)

- एजेंडा - 21
- वन - सिद्धांत

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# संसाधन एवं विकास

## संसाधन नियोजन

- संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए नियोजन एक सर्वमान्य रणनीति है।
- भारत जैसे देश में जहाँ संसाधनों की उपलब्धता में बहुत अधिक विविधता है, यह और भी महत्त्वपूर्ण है।
- यहाँ ऐसे प्रदेश भी हैं जहाँ एक तरह के संसाधनों की प्रचुरता है, परंतु दूसरे तरह के संसाधनों की कमी है।
- कुछ ऐसे प्रदेश भी हैं जो संसाधनों की उपलब्धता के संदर्भ में आत्मनिर्भर हैं।
- कुछ ऐसे भी प्रदेश हैं जहाँ महत्त्वपूर्ण संसाधनों की अत्यधिक कमी है।

जैसे झारखंड, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ आदि प्रांतों में खनिजों और कोयले के प्रचुर भंडार हैं ।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

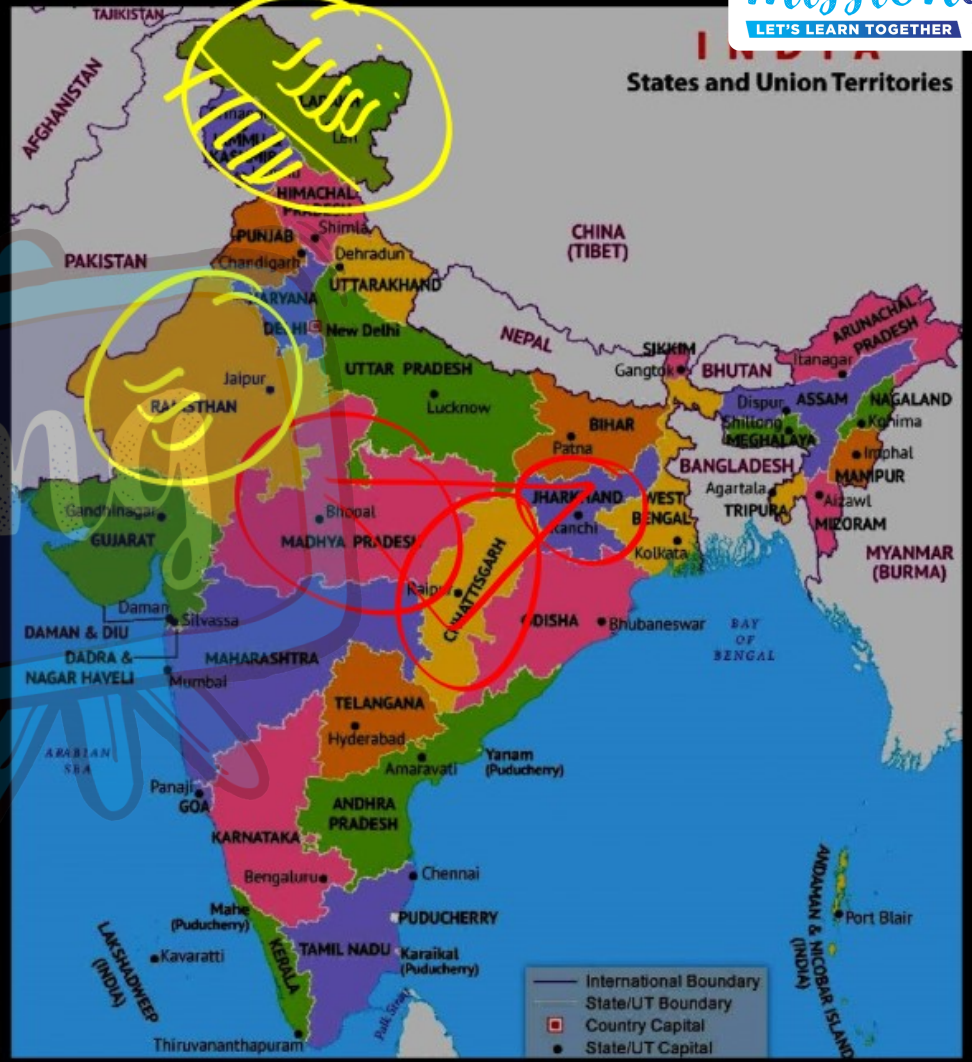

# संसाधन एवं विकास





- अरुणाचल प्रदेश में जल संसाधन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, परंतु मूल विकास की कमी है।
- राजस्थान में पवन और सौर ऊर्जा संसाधनों की बहुतायत है, लेकिन जल संसाधनों की कमी है।
- लद्दाख का शीत मरुस्थल सांस्कृतिक विरासत का धनी है परंतु यहाँ जल, आधारभूत अवसंरचना तथा कुछ महत्त्वपूर्ण खनिजों की कमी है।

इसलिए राष्ट्रीय, प्रादेशिक और स्थानीय स्तर पर संतुलित संसाधन-नियोजन की आवश्यकता है।

# संसाधन एवं विकास



## भारत में संसाधन नियोजन

संसाधन नियोजन एक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें निम्नलिखित सोपान हैं –

(क) देश के विभिन्न प्रदेशों में संसाधनों की पहचान कर उनकी तालिका बनाना ।

क्षेत्रीय सर्वेक्षण, मानचित्र बनाना और संसाधनों का गुणात्मक एवं मात्रात्मक अनुमान लगाना ।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

# संसाधन एवं विकास

२ (ख) संसाधन विकास योजनाएँ लागू करने के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी कौशल और संस्थागत नियोजन ढाँचा तैयार करना ।

३ (ग) संसाधन विकास योजनाओं और राष्ट्रीय विकास योजना में समन्वय स्थापित करना ।

# संसाधन एवं विकास

- किसी क्षेत्र के विकास के लिए संसाधनों की उपलब्धता एक आवश्यक शर्त है।
- परंतु प्रौद्योगिकी और संस्थाओं में परिवर्तनों के अभाव में मात्र संसाधनों की उपलब्धता से ही विकास संभव नहीं है।
- देश में बहुत से क्षेत्र हैं जो संसाधन समृद्ध होते हुए भी आर्थिक रूप से पिछड़े प्रदेशों की गिनती में आते हैं।
- इसके विपरीत कुछ ऐसे प्रदेश भी हैं जो संसाधनों की कमी होते हुए भी आर्थिक रूप से विकसित हैं।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

# संसाधन एवं विकास



- उपनिवेशन का इतिहास हमें बताता है कि विदेशी आक्रमणकारियों के लिए, उपनिवेशों में संसाधन-संपन्न प्रदेश मुख्य आकर्षण रहे हैं।
- उपनिवेशकारी देशों ने बेहतर प्रौद्योगिकी के सहारे उपनिवेशों के संसाधनों का शोषण किया तथा उन पर अपना आधिपत्य स्थापित किया ।
- अतः संसाधन किसी प्रदेश के विकास में तभी योगदान दे सकते हैं, जब वहाँ उपयुक्त प्रौद्योगिकी विकास और संस्थागत परिवर्तन किए जाएँ।


WORLD MAP
२ जनवरी दिन
ipca
A dose of life
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
Greenland (Denmark)
Alaska (USA)
Canada
United States of America
Russia
China
India
Australia
Kazakhstan
Mongolia
Indonesia
Brazil
Peru
Chile
Argentina
Paraguay
Uruguay
Colombia
Ecuador
Mexico
Cuba
Haiti
Dominican Rep.
The Bahamas
Jamaica
El Salvador
Nicaragua
Costa Rica
Guyana
Suriname
Iceland
Norway
Sweden
Finland
Estonia
Denmark
Poland
Belarus
Ukraine
Romania
Bulgaria
Greece
Turkey
Georgia
Azerbaijan
Armenia
Iran
Iraq
Syria
Jordan
Kuwait
Qatar
Bahrain
Saudi Arabia
U.A.E.
Oman
Yemen
Libya
Egypt
Tunisia
Algeria
Morocco
Western Sahara
Mauritania
Mali
Niger
Chad
Sudan
Eritrea
Djibouti
Ethiopia
Somalia
Kenya
Uganda
Rwanda
Burundi
Tanzania
Seychelles
Comoros
Madagascar
Mozambique
Zimbabwe
Namibia
Botswana
eSwatini
Lesotho
South Africa
Angola
Zambia
Malawi
Mauritius
Reunion (Fr.)
Maldives
Sri Lanka
Nepal
Bhutan
Bangladesh
Myanmar (Burma)
Thailand
Vietnam
Cambodia
Laos
Malaysia
Singapore
Brunei
Philippines
Taiwan
North Korea
South Korea
Japan
Kyrgyzstan
Turkmenistan
Uzbekistan
Afghanistan
Pakistan
Papua New Guinea
Timor-Leste
Solomon Islands
Vanuatu
Fiji
New Caledonia (Fr.)
Tonga
Samoa
Wallis and Futuna (Fr.)
Tuvalu
Nauru
Kiribati
Marshall Islands
Federated States of Micronesia
Palau
Guam (U.S.)
Northern Mariana Islands (U.S.)
Hawaii Islands (U.S.)
Galapagos (Ecuador)
Easter (Chile)
French Polynesia
Ascension (U.K.)
St Helena (U.K.)
Tristan da Cunha (Brazil)
Falkland Islands (U.K.)
South Georgia (U.K.)
South Sandwich (U.K.)
Bermuda (U.K.)
Canary Islands (Spain)
Cabo Verde
The Gambia
Senegal
Guinea
Sierra Leone
Liberia
Côte d'Ivoire
Ghana
Togo
Benin
Nigeria
Cameroon
Equatorial Guinea
Gabon
Congo
Dem. Rep. of the Congo
São Tomé and Principe
Angola
Namibia
Faroe Islands (Denmark)
Svalbard (Norway)
Jan Mayen (Norway)
Franz Josef Land
October Revolution
Novaya Zemlya
Kara Sea
Laptev Sea
Kotelny
East Siberian Sea
Wrangel
Beaufort Sea
Baffin Bay
Hudson Bay
Labrador Sea
Gulf of Alaska
Barents Sea
Norwegian Sea
Black Sea
Caspian Sea
Aral Sea
Sea of Okhotsk
Bering Sea
Sea of Japan (East Sea)
East China Sea
Philippine Sea
Coral Sea
Tasman Sea
Great Australian Bight
Tasmania
New Zealand
North Island
South Island
Arctic Ocean
Arctic Circle
Tropic of Cancer
Tropic of Capricorn
Equator
Prime Meridian
NORTH PACIFIC OCEAN
SOUTH PACIFIC OCEAN
NORTH ATLANTIC OCEAN
SOUTH ATLANTIC OCEAN
INDIAN OCEAN
Mediterranean Sea
Caribbean Sea
Gulf of Mexico
Andaman Sea
Nicobar Is. (India)
Cocos Is. (Aus.)
Christmas (Aus.)
0
2,000
4,000 Miles
1. Netherlands
2. Belgium
3. Luxembourg
4. Switzerland
5. Slovenia
6. Croatia
7. Bosnia and Herzegovina
8. Czechia
9. Slovakia
10. Austria
11. Hungary
12. Serbia
13. Moldova
14. North Macedonia
15. Albania
16. Cyprus
17. Lebanon
18. Guinea-Bissau
19. Guinea
20. Ghana
21. Togo
22. Benin
23. Cameroon
24. Equatorial Guinea
25. Rwanda
26. Cambodia
27. Panama
28. Malawi
29. Liechtenstein
30. Montenegro
31. Kosovo
32. Palestinian Territories
33. St. Vincent & the Grenadines

ipca
A dose of life

# संसाधन एवं विकास

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## संसाधनों का संरक्षण

संसाधन किसी भी तरह के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

परंतु, संसाधनों का विवेकहीन उपभोग और अति उपयोग के कारण कई सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याएँ पैदा हो सकती हैं।

# संसाधन एवं विकास



इन समस्याओं से बचाव के लिए विभिन्न स्तरों पर संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है।

भूतकाल से ही संसाधनों का संरक्षण बहुत से नेताओं और चिंतकों के लिए चिंता का विषय रहा है।

जैसे:- गांधी जी ने संसाधनों के संरक्षण पर अपनी चिंता इन शब्दों में व्यक्त की है – "हमारे पास हर व्यक्ति की आवश्यकता पूर्ति के लिए बहुत कुछ है, लेकिन किसी के लालच की संतुष्टि के लिए नहीं।" अर्थात् हमारे पास पेट भरने के लिए बहुत है लेकिन पेटी भरने के लिए नहीं।

# संसाधन एवं विकास




उनके अनुसार विश्व स्तर पर संसाधन ह्रास के लिए लालची और स्वार्थी व्यक्ति तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी की शोषणात्मक प्रवृत्ति जिम्मेदार है।

वे अत्यधिक उत्पादन के विरुद्ध थे और इसके स्थान पर अधिक बड़े जनसमुदाय द्वारा उत्पादन के पक्षधर थे।

# संसाधन एवं विकास

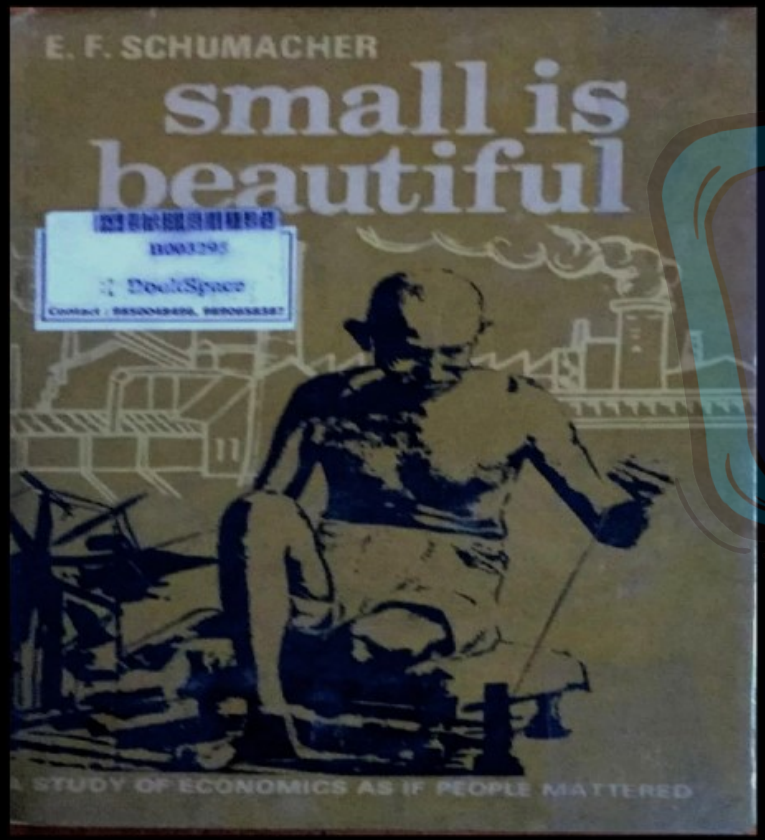


अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यवस्थित तरीके से संसाधन संरक्षण की वकालत 1968 में "क्लब ऑफ रोम" ने की।

तत्पश्चात् 1974 में शुमेसर ने अपनी पुस्तक "स्माल इज ब्यूटीफुल" में इस विषय पर गांधी जी के दर्शन की एक बार फिर से पुनरावृत्ति की है।

1987 में "ब्रुन्ड्टलैंड आयोग" रिपोर्ट द्वारा वैश्विक स्तर पर संसाधन संरक्षण में मूलाधार योगदान किया गया।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

# संसाधन एवं विकास



इस रिपोर्ट ने "सतत् पोषणीय विकास" (Sustainable Development) की संकल्पना प्रस्तुत की और संसाधन-संरक्षण की वकालत की।

यह रिपोर्ट बाद में "हमारा सांझा भविष्य" (Our Common Future) शीर्षक से पुस्तक के रूप में प्रकाशित हुई।




इस संदर्भ में एक और महत्त्वपूर्ण योगदान रियो डी जेनेरो, ब्राजील में 1992 में आयोजित पृथ्वी सम्मेलन द्वारा किया गया।